HINDI

इस पत्रिका में नाटिंगम सिटी का स्सिटम समझाया गया है जिसमें खास शिक्षा ज़रूरतों वाले बच्चों की शिक्षा के लिये पैसे दिये जाते हैं। यह काफी पेचीदा स्सिटम है, लेकिन इस पत्रिका में स्कूलों की सामान्य आर्थिक सहायता में MSG फण्डिंग की स्थिति समझने की कोशिश की है।

नाटिंगम सिटी LA वचनबद्ध है स्पैशल शिक्षा ज़रूरतों और माता पिता के साथ कार्य करने के तरीकों के प्रति अपनी सेवाओं को वेहतर बनाने और परीक्षण करने में। अगर आपको इस पत्रिका या MSG स्सिटम पर कोई टिप्पणी करनी है, तो कृप्या पैरेंट पार्टनरशिप सर्विस को नीचे लिखे पते पर संपर्क करें। हम माता पिता, स्कूलों, LA और वलंटरी सैकटर के साथ कार्य करते हैं और उन्हें प्रोत्साहित करते हैं , स्पैशल शिक्षा ज़रूरतों वले बच्चों को एक साथ मिलकर सेवाऐं प्रदान करने के लिये।

एक अन्य लाभदायक पत्रिका है - " *ऐन ऐक्सट्रा पैयर आफ हैंडस"।* यह समझाता है कि टीचिंग अस्सिटैंट किस प्रकार स्कूलों में अलग बच्चों को सकायता प्रदान करने का कार्य करते हैं।

हम वलंनटरी सैकटर में स्थापित हैं और पारिवारिक लाभ संस्था (फैमली वैलफेयर अैसोसिएशन) से सहायता प्राप्त करते हैं, और नाटिंगम सिटी काउनसिल अथ्वा नाटिंगमशायर काउनटी काउनसिल द्वारा खर्चा प्राप्त करते हैं।

Parent Partnership Service
Suite 5, Clarendon Chambers
32 Clarendon Street
Nottingham, NG1 5LN
फेन, फैक्स या मिनीकाम : 0115 948 2888
यह नबंर सिटी ओर काउन्टि माता पिता के लिये है
ई मेल : enquiries@ppsnotts.org.uk
वैबसाईट : www.ppsnotts.org.uk

शहर के सामान्य स्कूलों में खास शिक्षा ज़रूरतों और विकलांगता के लिये संसाधन

(Resources For Special Educational Needs And Disabilities In Mainstream City Schools)

उन माता पिता और केयररों के लिये जानकारी जिनके बच्चों की खास विकलांगता और शिक्षा ज़रूरतें हैं

इस पत्रिका में आपको बताया जा रहा है कि सामान्य स्कूलों में खास शिक्षा की ज़रूरतों वाले बच्चों की सहायता करने के लिये धन कैसे प्रदान किया जाता है। यह खासकर उन माता- पिता के लिये लाभदायक है जिनके बच्चें MSG सिसटम (मेनस्ट्रीम सर्पोट गूप) के द्वारा किसी प्रकार की मदद पाते हैं।

खास शिक्षा ज़रूरतों को पूरा करने के लिये LA तीन मुख्य तरीकों से स्कूलों को संसाधन देता है :

1। ऐज वेटिड पयूपिल यूनिट AWPU (उम्र के हिसाब से नापा विद्यार्थी यूनिट)

2। स्कूल अैकशन में बच्चों के लये अधिक धनराशी उनकी खास शिक्षा ज़रूरतों के लिये

3। स्कूल अैकशन प्लस या स्टेटमैंट वाले बच्चों के लिये धनराशी (सामान्य सहायता समूह या MSG फण्डिंग)

ऐज वेटिड पयूपिल यूनिट AWPU (उम्र के हिसाब से नापा यूनिट)

सभी सामान्य स्कूलों को प्रत्लेक बच्चे के लिये बजट में एक मूल रकम मिलती है। इसे AWPU कहा जाता है। तकरीबन प्रत्येक स्कूल के बजट का 80% इस AWPU से बना होता है।

इसमें शामिल है वह रकम जो खास शिक्षा की ज़रूरत वाले विद्ययार्थीयों की ज़रूरतें पूरी करते हैं। सभी स्कूलों को जनरल बजट के खार्च के हिस्से को प्लान करना पड़ता है ताकि वह इन खास शिक्षा ज़रूरतों वाले विद्ययार्थीयों की सहायता कर सकें।

स्कूल अैकशन की फण्डिंग

स्कूलों को बजट के लिये फण्डिंग का एक दूसरा लैवल भी उपलब्ध है जिसे ASEN (अडिशनल स्पैशल शिक्षा जरूरतें) , या " स्कूल अैकशन फण्डिंग" कहा जाता है।

एक ही साईज़ के दो अलग स्कूलों में स्पैशल शिक्षा ज़रूरतों वले विद्यर्याधीयों की संख्या अलग हो सकती है। 5 में से 1 बच्चे की कभी न कभी स्कूल की ज़िन्दगी में किसी प्रकार की खास शिक्षा की ज़रूरत होती है। इसकी सही गिनती स्कूल की सेवा प्राप्त करने वाले लोकल ऐरिया पर निर्भर है।

नाटिंगम में, यह निश्चित करने के लिये कि वह स्कूल जिन में स्पैशल शिक्षा की ज़रूरत वाले विद्यर्याथी ज़्यादा हैं, उन्हें अधिक धनराशी मिले, स्कूल के बजट में ही एक रकम दी जाती है स्कूल ऐकशन में।

प्रत्येक स्कूल के लिये ASEN तय करने का सबसे वेहतर तरीका है, कि मुफ़्त का स्कूल खाना खाने वाले अथ्वा मुफ़्त वर्दी पाने वाले विद्यर्याथीयों की संख्या लेनी। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि यही वह बच्चें हैं जिनकी स्पैशल शिक्षा की ज़रूरतें हैं - यह केवल एक क्रीयाशील तरीका है स्कूलों के लिये अधिक धनराशी हासिल करने के लिये जहाँ स्पैशल शिक्षा ज़रूरतों वाले बच्चों की गिनती ज़यादा है।

ASEN की रकम या तो कुछ सौ पाउँड या कई हज़ार पाउँड हो सकती हैं। बच्चों के सीखने की मदद करने वाले तरीकों को प्लान करने में यह स्कूलों की मदद करती है।

स्कूल ऐकशन प्लस या स्टेटमैंट वाले बच्चों के लिये धनराशी

स्कूल तकरीवन सभी बच्चों की ज़रूरतें पूरी करेंगे जिनकी स्पैशल शिक्षा की ज़रूरते हैं, AWPU और स्कूल ऐकशन फण्डिंग अपने बजट में इस्तमाल करके। लेकिन कुछ बच्चों का छोटा समूह है जिनकी ज़रूरतें अन्य बच्चों से ज़यादा संगीन हैं और लंबे अर्से के लिये हैं, जो शायद स्कूल महसूस करें कि वह इन दो बजटों से पूरा नहीं कर सकतें।

इन बच्चों के लिये स्कूल सामान्य सहायता समूह (MSG) से अधिक धनराशी माँग सकते हैं। वह आमतौर से वह बच्चें होंगे जिनके लिये स्कूल पहले से ही महान इनडविज्यूअल सहायात प्रदान कर रहे हैं, और वह स्कूल ऐकशन प्लस में हैं या फिर उनके पास स्टेटमैंट है उनकी खास शिक्षा ज़रूरतों की। स्कूल ऐकशन प्लस के सभी बच्चों को वन टू वन सहायता प्रदान नहीं होती, उन्हें शायद समूहों में सहायता प्रदान होती है।

स्कूलों से इस प्रकार की माँगे पूरी करने के लिये, LA ने प्रोफैशनल लोगों के लोकल समूह स्थापित किये हैं। इन समूहों को सामान्य सहायता समूह कहते हैं और इनके अध्यक्ष LA अफसर होते हैं। MSGs में शामिल हैं, एक खास शिक्षा ज़रूरतों का कोऔडिनेटर (SENCO) प्रत्येक स्कूलों के लोकल समूहों से और शिक्षा मनोविज्ञानिक सेवा के प्रतीनिधी, इनकलूसिव शिक्षा सेवा, व्यवहार सहायात टीम और एक सोशल सलाहकार या इन्सपैकटर। MSGs के पास एक तय की हुई रकम होती है जो स्कूलों को इस प्रकार दी जाती है। एक समान्य फार्म भरकर स्कूलों को धनराशी मिल सकती है। MSG के सदस्य स्कूलों और विद्यार्थीयों के बारे संपूर्ण जानकारी बटोरते हैं। फिर MSG लोकल ऐरिया की माँगों पर ध्यान देती है यह रकम का बटवारा तय करने से पहले ताकि जिस ऐरिये में बच्चों की ज़रूरतों का लैवल ज़्यादा है वहाँ ज़यादा संसाधन भेजे जाएं।

स्कूल प्राप्त किये किसी भी धन को टीचिंग असिटैंट (TA) समय या संसाधन के लिये इस्तमाल कर सकते हैं, जैसे कि अकेले बच्चे या बच्चों के समूह के लिये साधन। ICT साधनों या सामान के लिये स्कूल को अपलाए करना पड़ेगा अलग " ज़यादा खर्चे साधन" बजट से , और अगर वह कामयाब होते हैं, विद्ययार्थीयों के लिये उनकी ज़रूरत अनुसार सहायता प्रदान करनी।

MSG पैनल साल में दो बार मिलता है, जनवरी और जून में। जनवरी की मीटिंग मुख्य मीटिंग है जब पैनल पूरे आर्थिक साल के लिये धनराशी निर्धारित करता है। जून की मीटिंग में, पैनल उन बच्चों की माँगों की फण्डिंग पर नज़र डालता है जिन्हें पहले जनवरी वाली मीटिंग में ज़रूरतमंद नहीं ठहराया गया था (जैसे कि , प्राईमरी स्कूल शुरू करने वाले बच्चे और सैकंडरी स्कूल जाने वाले बच्चे)

इन फण्डिंग के हिस्सों के इलावा, जिससे स्कूलों के समूहों द्वारा बच्चों की खास शिक्षा ज़रूरतों को पूर्ण करने का कोऔरडिनेटिड प्रयास किया जाता है, LA, स्कूलों के समूहों को एक पूर्ण तरीके से भी संसाधन प्रदान करेगा। इस स्कूलों के समूह की फिर ज़िम्मेदारी और लचक होगी कि वह इन संसाधनों को बच्चों की किस ज़रूरत को लक्ष्य साबत करके पूरा करने की कोशिश करेंगे, जिन्हें वह प्रथम समझते हैं। इसको " डैलिगेटिड रकम " कहते हैं।

प्रत्येक वर्ष LA अलग इलाकों से स्कूलों के ऐलोकेशनों के सांम्पल को देखता है और यह स्थापित करता है कि MSG के निर्णय सही और समान्य हैं या नहीं।

सामान्य स्कूलों को अन्य LA सहायात

इस प्रकार का स्टाफ रखकर जो सभी लोकल स्कूलों के साथ काम करे सलाह देने में, सहायता और शिक्षा प्रदान करने में, LA स्कूलों को उनके कार्य में भी मदद प्रदान करता है जिन बच्चों को खास शिक्षा की ज़रूरते हैं। यह स्टाफ टीम हैं:-

संचार और इनटरअैकशन, लरनिंग और कौगनिशन, पौरटेज और अरली शिक्षा टीम (PEET), सैनसरी और जिस्मानी अथ्वा व्यवहार सहायात टीम (BST)
स्पैशल शिक्षा ज़रूरतों को पूर्ण करने वाले संसाधनों पर नीचे कुछ प्रशन है जो माता पिता अकसर पूछते हैं।

मैं कैसे पता कर सकता हूँ कि मेरे बच्चे का स्कूल अपना बजट इस्तमाल करता है उन बच्चों के लिये जिनको सीखने में सहायता चाहिये?

इस पर जानकारी और स्कूल के स्पैशल शिक्षा ज़रूरतें की पालेसी गर्वनर के सालाना रिपोर्ट में शामिल होनी चाहिये। स्कूल को यह सभी माता पिता को भेजनी चाहिये, और यह स्कूल में भी उपलब्ध होनी चाहिये।

स्टेटमैंट के बगैर क्या मेरे बच्चे को MSG फण्डिंग मिल सकती हैक्?

हाँ, यह फण्डिंग स्कूल ऐकशन प्लस बच्चों के लिये उपलब्ध है।

क्या मेरे बच्चे को अधिक MSG सहायता मिलेगी अगर उसके पास खास शिक्षा ज़रूरतों की स्टेटमैंट होगी?

नहीं, MSG सिटम खास ज़रूरतों वाले सभी बच्चों के लिये है, चाहे उनके पास स्टेटमैंट हो या न हो। क्योंकि निर्णय कुछ प्रोफैशनल लोगों के समूह द्वारा लिये जाते हैं जो कि लोकल स्कूलों के संपर्क में हैं, MSG संसाधन उन बच्चों में उचित तरीके से बांटते हैं जिनकी ज़रूरतें सबसे ज़यादा हैं, चाहे उनके पास स्टेटमैंट हो या न हो।

एक बार मेरे बच्चे के लिये MSG स्कूल को अधिक पैसे देता है, तो क्या वह इसी लैवल पर रहेगा?

यह ज़रूरी नहीं है। बच्चों की ज़रूरतें समय के साथ बदलती हैं। एक बच्चा अच्छी प्रगति दिखा कर कम अकेली सहायता चाह सकता है, लेकिन कई और बच्चों को शायद पहले प्रप्त करने वाली सहायता से ज़यादे की ज़रूरत हो सकती है।
स्कूलों की ज़िम्मेदारी है कि वह बच्चों की प्रगति को रिव्यू करे और MSG की सालाना मीटिंग के लिये आधूनिक जानकारी हासिल करें।

मेरे बच्चे की प्रगति और मदद स्कूल के द्वारा लगातार रिव्यू होती है और में भी उसमें शामिल होता हूँ। लेकिन MSG मीटिंगों में मेरे बच्चे पर असर करने वाले निर्णयों को मेरे बगैर कैसे लिया जाता है?

आपके बच्चे का स्कूल MSG को आपके बच्चे की प्रग्रति और पृथक शिक्षा प्लान (IEP) पर आधूनिक जानकारी देगा। इस जानकारी को MSG पैनल इस्तमाल करता है ताकि वह आपके बच्चे की ज़रूरतों पर ध्यान दे सके, उसकी प्रग्रति और अगले साल के लक्ष्यों पर ध्यान दे सके।

क्या मुझे MSG माँग को देखने का हक है, प्रत्येक विदयार्थी की प्रोफाईल (IPP) और मेरे बच्चे की IEP?

आपके बच्चे के स्कूल रिकार्ड में रखी जानकारी में आप पढ़ सकते हैं, लेकिन सभी स्कूल MSG के दस्तावेज़ इस प्रकार नहीं रखते जिस्से माता पिता को समझने में आसानी हो। आपके बच्चे की इनडविजयूअल विद्यर्यार्थी प्रोफाईल को देखना आपके लिये लाभदायक हो सकता है।

क्या स्कूल के द्वारा MSG को भेजी लिखित जानकारी की कवालिटी नतीजे पर कुछ असर डालती है ?

नहीं। स्कूल एक सामान्य फार्म का प्रयोग करते हैं जानकारी देने के लिये।

अगर मुझे लगता है कि MSG मेरे बच्चे के स्कूल को उचित सहायता प्रदान नहीं कर रहा है तो मैं क्या कर सकता हूँ ?

इस मसले पर आप अपने बच्चे के स्कलूल में स्पैशल ज़रूरतों के कोऔडिनेटर के साथ बात चीत कर सकते हैं। उनके पास कुछ सुझाव हो सकते हैं। माता पिता होने के नाते, आपकी ज़िम्मेदारी है कि आप अपने बच्चे की प्रग्रति का निरीक्षण अगले इनडनिजयूअल शिक्षा प्लान रिव्यू तक करने में मदद करें। रिव्यू यह दिखलाएगा कि आपका बच्चा ताय किये इनडनिजयूअल शिक्षा प्लान के लक्ष्यों को हासिल कर रहा है या नहीं, अथ्वा उसे सही सहायता मिल रही है या नहीं।